

नई शिक्षा नीति : प्रदेश के पहले मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में

पहली बार एमएसडब्ल्यू की शुरुआत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उदयपुर. प्रदेश में पहली बार उदयपुर के मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में सरकारी स्तर एमएसडब्ल्यू की शुरुआत की गई है। यह कोर्स जल्द ही शुरू होगा। नई शिक्षा नीति के तहत इसे तैयार किया गया है, ऐसे में विद्यार्थी का समय खराब नहीं होगा। छह माह तक अध्ययन कर पढ़ाई छोड़ने के बाद भी इसमें सर्टिफिकेट दिया जाएगा। गौरतलब है कि मास्टर ऑफ सोशियल वर्क (एमएसडब्ल्यू) पुराना कोर्स है, जो निजी कॉलेजों में संचालित हो रहा है, लेकिन यहां इसे पहली बार शुरू किया गया है। यह



कोर्स करने के बाद युवा सीएसआर सेक्शन, मेडिकल विभाग में डीपीएम और बीपीएम के पद यानी जिला कार्यक्रम प्रबन्धक व खंड कार्यक्रम प्रबन्धक, समाज कल्याण व सहकारिता विभाग व अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं और सर्वेयर के तौर पर कार्य कर सकते हैं। इसे फिलहाल सेल्फ फाइसेंस स्कीम में शुरू किया है, इसमें 60 सीट रखी गई है।

समाज शास्त्र विभाग की कोर्स कॉर्डिनेटर डॉ. राजकुमारी अहीर ने बताया कि विद्यार्थी के एक सेमेस्टर उत्तीर्ण करने के बाद भी छह माह का उसे कोर्स सर्टिफिकेट मिलेगा, यदि वह दो सेमेस्टर पूर्ण कर लेता है, तो उसे पीजी डिप्लोमा एक वर्ष का सर्टिफिकेट मिलेगा। दो वर्ष पूर्ण होने पर उसे पीजी डिग्री दी जाएगी। प्रवेश शुरू कर दिए गए हैं। एमएलएसयू में

सरकारी स्तर पर
एमएसडब्ल्यू शुरू करने वाले हम प्रदेश में पहले विवि हैं। यह इंडस्ट्री ओरिएंटेड कार्यक्रम हैं। ये कोर्स करने वालों को काफी फायदा मिल सकता है। इसका शुल्क कम है।

अमेरिका सिंह, कुलपति,
मोहनलाल सुखाड़िया विवि
उदयपुर

आवेदन की अंतिम तिथि 25 नवम्बर है। एमएसडब्ल्यू किए गए शिक्षकों को संविदा व गेस्ट फैकल्टी के रूप में रखा गया है और सरकार से शिक्षकों की मांग की गई है।